

शिव आमंत्रण

सशक्तिकरण एवं सामाजिक सेवाओं का दर्पण



20 जनवरी से
दिसंबर 2022
तक चलेगा
अभियान

वर्ष 09 | अंक 03 | हिन्दी (मासिक) | मार्च 2022 | पृष्ठ 16 | मूल्य ₹ 9.50

आगाज] प्रधानमंत्री ने किया आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर राष्ट्रीय अभियान का शुभारंभ

ब्रह्माकुमारीज के प्रयासों से देश को मिलेगी एक नई ऊर्जा और शक्ति

— प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

[राज्यपाल कलराज मिश्र, लोस स्पीकर ओम बिरला, सीएम अशोक गहलोत, सीएम भूपेन्द्र पटेल, केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी शामिल हुए]



15

हजार कार्यक्रम देशभर
में करने का लक्ष्य

10

करोड़ लोगों तक
पहुँचने की योजना

07

अभियानों को पीएम ने
दिखाई हरी झंडी

5000

सेवाकेंद्रों पर होंगे
कार्यक्रम

■ शिव आमंत्रण, आबू रोड (राजस्थान)

आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर राष्ट्रीय अभियान का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 20 जनवरी को वचुअल शुभारंभ किया। सात अभियानों को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ऑनलाइन संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज संस्थान के प्रयासों से देश को एक नई ऊर्जा और शक्ति मिलेगी। त्याग और कर्तव्य भाव से करोड़ों देशवासी आज स्वर्णिम भारत की नींव रख रहे हैं। ब्रह्माकुमारीज का प्रभाव पूरे विश्व में है। मुझे उम्मीद है आने वाले समय में इस अभियान में एक नई ऊर्जा का संचार होगा। उन्होंने कहा कि इस अभियान में स्वर्णिम भारत के लिए भावना भी है और साधना भी है। इसमें देश के लिए प्रेरणा भी है और ब्रह्माकुमारियों के प्रयास भी हैं। मैं देश के संकल्पों के साथ, देश के सपनों के साथ निरंतर जुड़े रहने के लिए ब्रह्माकुमारी परिवार का अभिनंदन करता हूँ। जब संकल्प के साथ साधना जुड़ जाती है, जब मानवमात्र के साथ हमारा ममभाव जुड़ जाता है, अपनी व्यक्तिगत उपलब्धियों के लिए इंद न म् का भाव जागने लगता है तो समझिए हमारे

संकल्पों के जरिए एक नए कालखंड का जन्म होने वाला है। एक नया सवेरा होने वाला है। सेवा और त्याग का यही अनुभव आज अमृत महोत्सव में नए भारत के लिए उमड़ रहा है। इसी त्याग और कर्तव्य भाव से करोड़ों देशवासी स्वर्णिम भारत की नींव रख रहे हैं। हमारे और राष्ट्र के सपने अलग-अलग नहीं हैं। हमारी नीति और सफलता अलग-अलग नहीं है। राष्ट्र की प्रगति में ही हमारी प्रगति है। हमसे ही राष्ट्र का अस्तित्व है और राष्ट्र से ही हमारा अस्तित्व है। यह भाव, यह बोध नए भारत के निर्माण में हमारी ताकत बन रहा है। आज दादी जानकीजी और राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी जी

सशरीर हमारे बीच उपस्थित नहीं हैं, लेकिन उनका आशीर्वाद महसूस हो रहा है। कुछ स्थल ऐसे होते हैं जिनमें एक अलग चेतना व ऊर्जा होती है। ये ऊर्जा उन महान व्यक्तियों की होती है जिनकी तपस्या से वन, पर्वत, पहाड़ भी जागृत हो उठते हैं। मानवीय प्रेरणाओं का केंद्र बन जाते हैं। माउंट आबू की आभा भी दादा लेखराज जैसे सिद्ध व्यक्तित्वों की वजह से निरंतर बढ़ती रही।

शेष पृष्ठ 2 पर >



“ ओम शांति मंत्र
से तनाव हो
जाता है दूर

मैं बचपन से ही यहां आता रहा हूँ। बचपन से ही दादियों के दर्शन करने और आशीर्वाद लेने का अवसर मिला। यहां दादियों ने मुझे मूलमंत्र दिया है कि जब भी आपको तनाव हो तो तीन बार 'ओम शांति' बोल दें तो सारा तनाव दूर हो जाता है। ओम शांति एक ऐसा मंत्र है जिसके उच्चारण से ही तनाव दूर हो जाता है। आज माउंट आबू अपनी पहचान देश-दुनिया में रखता है, उसके पीछे ब्रह्माकुमारीज आश्रम का विशेष योगदान है। हमारा मूलक वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना वाला है। भारत की महान परंपरा रही है। ब्रह्माकुमारीज ने देशभर में पांच हजार केंद्रों पर हजारों प्रोग्राम करने का जो लक्ष्य रखा है वह अपने आप में बड़ी बात है। सरकार आजादी का अमृत महोत्सव मना रही है यह अच्छा कदम है। सत्य, अहिंसा के मार्ग पर चलकर ही हम समाज को आगे बढ़ा सकते हैं। जहां शांति होगी वहां विकास होगा। शांति, अहिंसा, भाईचारा यह हमारे मूलमंत्र हैं। इन्हें आगे बढ़ाने का कार्य ब्रह्माकुमारीज संस्था कर रही है। संस्था आने वाली पीढ़ी को अच्छे संस्कार देने का कार्य कर रही है।”

अशोक गहलोत

मुख्यमंत्री, राजस्थान



“मूल्यों का सिंचन कर रही है संस्था

आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर अभियान बहुत ही सराहनीय पहल है। ब्रह्माकुमारीज जैसी संस्थाएं इस दिशा में महत्वपूर्ण कार्य कर रही हैं। मानवीय मूल्यों का सिंचन करने का कार्य ब्रह्माकुमारीज कर रही है। संस्था के लाखों समर्पित ब्रह्माकुमार माई-बहन और सेवाकेंद्र अपना विशेष योगदान दे रहे हैं। संस्था ने युवाओं को गलत मार्ग से हटाकर अच्छे सड़मार्ग की ओर लाने और संस्कारों का बीजारोपण करने का कार्य किया है। मन की शांति, चित्त की स्थिरता, आत्मा की शुद्धि और व्यवहार में पवित्रता के लिए समाज में ब्रह्माकुमारीज द्वारा सकारात्मक मार्गदर्शन दिया जा रहा है। प्रजापिता ब्रह्मा बाबा के 53वें अत्यक्त आरोहण दिवस के उपलक्ष्य में आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर अभियान की लांचिंग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा की जा रही है। पांच हजार सेवाकेंद्रों पर 15 हजार से ज्यादा कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। दस करोड़ से ज्यादा लोगों तक पहुंचने का लक्ष्य रखा है। संस्था द्वारा नई पीढ़ी में राष्ट्र प्रेम, मानवीय मूल्य और समाज के प्रति कर्तव्य बोध जगाने का कार्य किया जा रहा है।

मूपेन्द्र पटेल

मुख्यमंत्री, गुजरात

‘विश्वभर में पहुंचाना होगी भारत की अच्छाई’

प्रधानमंत्री ने ब्रह्माकुमारीज के सोलर पॉवर से बनने वाले भोजन को सराहा



ब्रह्माकुमारीज का आध्यात्म के साथ शिक्षा, कृषि, स्वास्थ्य में योगदान: पीएम

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अमृत और अमरत्व का रास्ता बिना ज्ञान के प्रकाशित नहीं होता है। इसलिए अमृत काल का यह समय हमारे ज्ञान, योग और इनोवेशन का समय है। हमें एक ऐसा भारत बनाना है, जिसकी जड़ें प्राचीन परंपराओं और विरासत से जुड़ी होंगी। जिसका विस्तार आधुनिकता के आधार पर अपनी संस्कृति और सभ्यता के साथ होगा। इन प्रयासों में ब्रह्माकुमारीज जैसी आध्यात्मिक संस्थाओं की बड़ी भूमिका है। मुझे खुशी है आप आध्यात्म के साथ-साथ शिक्षा स्वास्थ्य और कृषि जैसी कई क्षेत्रों में कई बड़े काम कर रहे हैं। आज जिस अभियान का शुभारंभ कर रहे हैं उसे आप पहले से ही आगे बढ़ा रहे हैं।

ब्रह्माकुमारी संस्था से प्रधानमंत्री के तीन बड़े आह्वान-

1. नागरिकों में कर्तव्य भावना का विकास करें-

पीएम मोदी ने आग्रह किया कि ब्रह्माकुमारीज जैसी संस्थाएं आने वाले 25 वर्ष के लिए एक मंत्र बना लें कि भारत के जन-जन को कर्तव्य के लिए जागरूक करें। इससे आप लोग बहुत बड़ा बदलाव ला सकते हैं। आप सभी अपनी शक्ति और समय, जन-जन में कर्तव्य बोध जागृत करने में जरूर लगाएं। ब्रह्माकुमारी जैसी संस्था दशकों से कर्तव्य के पथ पर चल रही है। इसी भाव से हम सभी को देश के हर नागरिक के मन में कर्तव्य का दीया जलाना है। इससे समाज में व्याप्त बुराइयों दूर होंगी और देश नई ऊंचाई पर पहुंचेगा।



जहां भेदभाव की कोई जगह न हो-

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हम एक ऐसी व्यवस्था बना रहे हैं, जिसमें भेदभाव की कोई जगह न हो। एक ऐसा समाज बना रहे हैं जो समानता और सामाजिक न्याय की बुनियाद पर मजबूती से खड़ा है। एक ऐसे भारत को उभरते देख रहे हैं जिसकी सोच और एप्रोच नई है। भारत की सबसे बड़ी ताकत ये है कि कैसा भी समय आए, कितना भी अंधेरा छाए भारत अपने मूल भाव को बनाए रखता है।

देश में कई महान नारियां हुई हैं-

भारत मात्राशक्ति की पूजा देवी के रूप में करता रहा है। हमारे यहां गांगी, मैत्रयी, अनुसुइया, अरुंधति, मदालशा जैसी विभूतियां समाज को ज्ञान देती थीं। कठिनाइयों से भरे मध्यकाल में भी देश में पद्माधाय, मीराबाई जैसी महान नारियां हुईं। चित्तूर की रानी

चेनम्मा, मतंगनी हाजरा, रानी लक्ष्मीबाई, वीरंगना झलकारी बाई, सामाजिक क्षेत्र में अहिल्याबाई होलकर, सावित्री फुले इन देवियों ने भारत की पहचान बनाए रखी है। आज देश आजादी की लड़ाई में नारी शक्ति के योगदान को भी याद कर रहा है।

क्लीन एनर्जी में बड़े

जनजागरण की जरूरत-क्लीन एनर्जी और पर्यावरण के क्षेत्र में भी दुनिया को भारत से बहुत सारी अपेक्षाएं हैं। इसे लेकर भी जनजागरण के बड़े अभियान की जरूरत है। ब्रह्माकुमारीज ने सोलर पॉवर के क्षेत्र में बड़ा उदाहरण रखा है। यहां लंबे समय से आश्रम की रसोई में सोलर पॉवर से खाना बनाया जा रहा है। सोलर पॉवर का इस्तेमाल ज्यादा से ज्यादा लोग करें, इसमें भी आपका विशेष सहयोग हो सकता है। आप सभी आत्म निर्भर भारत को भी विशेष गति दे सकते हैं।

2. भारत की सही बात को दूसरे देशों तक पहुंचाएं, उन्हें भारत दर्शन के लिए लाएं-

पीएम ने आह्वान किया कि भारत के छवि को धूमिल करने के लिए राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-अलग प्रयास चलते रहे हैं। ऐसे में हमारा दायित्व है कि दुनिया भारत को सही रूप में जाने। ब्रह्माकुमारीज जैसी संस्थाएं जिनकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपस्थिति है, वह भारत की सही बात को दूसरे देशों में पहुंचाएं। भारत के बारे में जो अफवाएं फैलाई जा रही हैं, उनकी सच्चाई वहां के लोगों को बताएं, उन्हें जागरूक करें। यह भी हम सबका कर्तव्य है। जिन देशों में आपकी शाखाएं हैं, वहां कोशिश करें कि हर शाखा से हर वर्ष कम से कम 500 लोग भारत दर्शन के लिए, जानने के लिए आएंगे। जब वह यहां आकर हर बात को समझेंगे, देखेंगे तो अपने आप भारत की अच्छाइयों को विश्व में लेकर जाएंगे। आपके प्रयासों से बहुत बड़ा फर्क पड़ जाएगा। आपके यह प्रयास अन्य संस्थाओं के लिए भी आजादी के अमृत महोत्सव में नए लक्ष्य गढ़ने के लिए प्रेरित करेंगे। आपके प्रयासों से आने वाले समय में भारत और भी तेजी से स्वर्णिम भारत की ओर बढ़ेगा।

3. आत्म निर्भर भारत को दें गति, जैविक खेती अपनाने के लिए किसानों को प्रेरित करें-

पीएम मोदी ने आह्वान किया कि ब्रह्माकुमारी संस्था आध्यात्म के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि जैसे कई क्षेत्रों में कई बड़े-बड़े काम कर रही है। आप आत्मनिर्भर भारत अभियान को भी गति दे सकते हैं। वोकल फॉर लोकल। स्थानीय उत्पादों को गति देकर इस अभियान में बहुत बड़ी मदद हो सकती है। खान-पान की शुद्धता को लेकर ब्रह्माकुमारी बहनें समाज को लगातार जागृत करती रही हैं। साथ ही सात्विक जीवनशैली अपनाने को लेकर आपने लोगों में जनजागरण किया है। ब्रह्माकुमारीज प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए बहुत बड़ी प्रेरणा बन सकती है। कुछ गांवों को प्रेरित करके ऐसे मॉडल खड़े किए जा सकते हैं।

“

आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर अभियान से दुनिया को भारत की संस्कृति और वैभवशाली परंपरा का ज्ञान मिलेगा। यह कोई साधारण कार्यक्रम नहीं है। आत्मनिर्भर भारत के निर्माण, भारत को समृद्ध बनाने और भारत की गौरवशाली सभ्यता को विश्वभर में पहुंचाने के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है। ब्रह्माकुमारीज के आयोजनों से दुनिया को नया रास्ता मिलेगा। इसके तहत संस्थान का 15 हजार कार्यक्रमों के जरिए दस करोड़ लोगों तक पहुंचने का लक्ष्य रखा है। यह बहुत ही गर्व का विषय है। भारत की आजादी के बाद अब तक का यह सबसे बड़ा अमृत महोत्सव है जो भारत सरकार द्वारा मनाया जा रहा है।

जी किशन रेड्डी

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री, भारत सरकार

ये भी रहे शामिल

इस दौरान संसदीय कार्य और संस्कृति केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्रा, राजस्थान में विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष गुलाब चंद कटारिया, पहलवान रितू फोगाट, केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव, केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण राज्यमंत्री कैलाश चौधरी, फिल्म डायरेक्टर सुभाष घई, म्यूजिक कंपोजर गेमी अवार्ड विनर रिक्की केज, संस्थान की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, संयुक्त मुख्य प्रशासिका बीके मुन्नी भी मौजूद रहीं।

“

संस्था व्यवित्तव निर्माण में जुटी

मानव कल्याण के लिए समर्पित ब्रह्माकुमारीज संस्था द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर देशव्यापी अभियान चलाने का जो निर्णय लिया गया है वह बहुत ही सराहनीय है। ब्रह्माकुमारीज एक विश्व स्तरीय संस्था है जो पिछले आठ दशकों से पूरे संसार में मानव सेवा का पुनीत कार्य कर रही है। व्यवित्तव निर्माण से राष्ट्र निर्माण का कार्य संस्था कर रही है। आपने राजयोग से समस्त मानवता को साधना और आध्यात्म का मार्ग बताया है। जो अपनी ऊर्जा को सक्रिय करते हुए स्वयं को परमात्मा से जोड़ देता है। मानव सभ्यता के आरंभ से ही भारत आध्यात्मिक चेतना का केंद्र रहा है। आध्यात्मिक जीवनशैली समाज को नई दिशा दिया रही है। यह अभियान स्वर्णिम भारत की झलक और आधुनिक भारत की छवि दिखाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। स्वर्णिम भारत का निर्माण तभी हो सकता है जब देश का प्रत्येक नागरिक आगे बढ़ने और विकास के लिए सामूहिक प्रयास करे।

ओम बिरला

लोकसभा स्पीकर, नई दिल्ली



प्रधानमंत्री ने सात देशव्यापी अभियानों का किया शुभारंभ

● ब्रह्माकुमारीज के युवा प्रभाग, महिला प्रभाग, चिकित्सा प्रभाग, यातायात प्रभाग, शिपिंग-एविएशन प्रभाग, कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग सहित सभी 20 विंग्स के कार्यक्रम देशभर में चलेंगे, ब्रह्माकुमारीज से जुड़े भाई-बहन उमंग-उत्साह के साथ विश्व सेवा में जुटे ● गांव से लेकर महानगरों में प्रत्येक वर्ग के लिए कार्यक्रम

‘एक भारत-श्रेष्ठ भारत’ मोटर साइकिल यात्रा: सात दिन में पूरी की यात्रा

1 शिव आमंत्रण, आबू रोड (राजस्थान)। ब्रह्माकुमारीज से जुड़े बीके राइडर्स टीम द्वारा ‘एक भारत-श्रेष्ठ भारत मोटर साइकिल यात्रा’ आबू रोड से नई दिल्ली तक निकाली गई। इसका शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। रैली आबू रोड से अजमेर, जयपुर, ग्रेटर नोएडा होते हुए गुरुग्राम पहुंची, जहां इसका गरिमामय कार्यक्रम के रूप में समापन किया गया।

ये हुए कार्यक्रम: मोटर साइकिल यात्रा के दौरान रास्तेभर ब्रह्माकुमार राइडर्स का स्वागत-सम्मान किया गया। हाईवे पर रिसोर्ट, क्लब, संस्थाओं में कुल मिलाकर 35 से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनके माध्यम से लोगों को राजयोग मेडिटेशन और आध्यात्म का संदेश दिया। साथ ही सुरक्षित सड़क यात्रा को लेकर लोगों को प्रेरित किया।

उद्देश्य: यात्रा का उद्देश्य सुरक्षित सड़क यात्रा को बढ़ावा देना रहा। यात्रा में शामिल सभी राइडर्स ने गति, संतुलन और सुरक्षा का संदेश दिया। पूरे सुरक्षा साधनों के साथ निकले इन युवाओं ने रास्ते में आने वाले शहरों में कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को जीवन में आध्यात्म और राजयोग मेडिटेशन अपनाने के लिए प्रेरित किया।



1

कृषि-ग्राम विकास प्रभाग: आत्मनिर्भर किसान अभियान

2 कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग की ओर से देशव्यापी ‘देश की शान आत्मनिर्भर किसान अभियान’ का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया। इस अभियान के तहत देशभर में खेती-किसानी से जुड़े ग्रामीण, किसान वर्ग, सरकारी अधिकारी, कृषि वैज्ञानिक, सरपंच आदि के लिए सभा और सम्मेलनों का आयोजन किया जाएगा।

ये होंगे कार्यक्रम: 75 किसान सशक्तिकरण अभियान

- 75 किसान सम्मेलन
- 75 शाश्वत यौगिक खेती ट्रेनिंग कार्यक्रम
- 75 कृषि वैज्ञानिकों के लिए कार्यक्रम
- 75 कृषि अधिकारियों के लिए कार्यक्रम
- 75 सरपंच सम्मेलन

उद्देश्य: किसानों को व्यसनमुक्त बनाना।



2

आध्यात्मिकता का विकास। किसानों की आर्थिक खुशहाली, तरक्की, उन्नति की राह प्रशस्त करना। जैविक-यौगिक खेती को बढ़ावा देना। किसानों को प्रशिक्षण देकर जैविक खेती का महत्व बताना। सरपंचों को गांव के संपूर्ण विकास के लिए प्रेरित करना।

महिला प्रभाग: महिलाएं- नए भारत की ध्वजवाहक अभियान

3 महिला प्रभाग द्वारा ‘महिलाएं-नए भारत की ध्वजवाहक अभियान’ की शुरुआत की गई। अभियान के माध्यम से महिलाओं को उनका महत्व बताना, उन्हें रचनात्मक कार्यों की ओर प्रेरित करके आध्यात्मिकता का विकास करना। भारत की पुरातन संस्कृति को बढ़ावा देना है।

ये होंगे कार्यक्रम: महिला सशक्तिकरण द्वारा समाज परिवर्तन विषय पर सम्मेलन एवं अभियान का आयोजन। बेटी बचाओ-शसक्त बनाओ और सुखी पारिवारिक जीवन के लिए मूल्य, संस्कार परिवर्तन एवं व्यवहार शुद्धि विषय पर सभा, सम्मेलन, संगोष्ठियों का आयोजन। रंगोली प्रतियोगिता, मेंहदी, व्यंजन बनाना, क्विज प्रतियोगिता आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन।

उद्देश्य: महिलाओं में आध्यात्मिकता और मूल्यों



3

का विकास करके समाज परिवर्तन में उनकी भूमिका के प्रति कर्तव्यबोध कराना। बेटी बचाओ-सशक्त बनाओ की भावना का विकास करना। सुखी पारिवारिक जीवन के लिए मूल्यों को जीवन में अपनाने पर जोर देना।

युवा प्रभाग: शांति की शक्ति बस अभियान, 75 शहर पहुंचेगा

4 युवा प्रभाग द्वारा शुरू किए गए देशव्यापी शांति की शक्ति बस अभियान का शुभारंभ भी प्रधानमंत्री ने किया। यह अभियान देश के 75 शहरों और तहसीलों में पहुंचेगा। इसके लिए खासतौर पर एक बस डिजाइन की गई है, जिसमें युवाओं को प्रेरित करने के लिए 3डी चित्रों के माध्यम से सजाया गया है। बीके भाई-बहनों का दल शामिल रहेगा।

ये होंगे कार्यक्रम: 75 डिजाइन योर डेस्टिनी कार्यक्रम। 75 दिव्य युवा मंच के तहत स्व सशक्तिकरण कार्यक्रम। राइज टू द वर्ल्ड कार्यक्रम के तहत स्वच्छ भारत, पौधारोपण और रक्तदान अभियान आयोजित किए जाएंगे।

उद्देश्य: युवाओं में बढ़ रहे तनाव को दूर करके उन्हें श्रेष्ठ लक्ष्य की ओर अग्रेसर करना। नशामुक्त करके स्वर्णिम भारत के निर्माण में



4

सहयोगी बनाना। उनमें आध्यात्मिकता का विकास और सकारात्मक प्रेरणा से देशभक्ति और स्व उन्नति की ओर प्रेरित करना। प्रकृति से जोड़ने के लिए पौधारोपण अभियान, स्वच्छता अभियान और समाजसेवा का भाव जागृत करने के लिए रक्तदान शिविर लगाए जाएंगे।

यातायात प्रभाग: सुरक्षित भारत सड़क सुरक्षा बाइक यात्रा

5 यातायात प्रभाग द्वारा शुरू की गई ‘सुरक्षित भारत सड़क सुरक्षा मोटर साइकिल यात्रा’ का शुभारंभ भी प्रधानमंत्री मोदी ने वर्चुअल बटन दबाकर किया। यात्रा आबू रोड से बीकानेर के लिए रवाना की गई।

ये होंगे कार्यक्रम: 75 शहर/तहसीलों में सड़क सुरक्षा से जुड़े आयोजन होंगे। इनमें 75 मोटर साइकिल यात्रा और 75 शहरों को कवर किया जाएगा। खास बात ये है कि इनका शुभारंभ और समापन भारत के ऐतिहासिक स्थलों से किया जाएगा। स्कूल, कॉलेज, आरटीओ, पुलिस स्टेशन, पेट्रोल पम्प, ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन आदि स्थानों पर कार्यक्रम होंगे।

उद्देश्य: सड़क दुर्घटनाओं को कम करने और रोकने के लिए लोगों को सड़क सुरक्षा के नियम बताना और यातायात के नियमों के मुताबिक



5

वाहन चलाने के लिए प्रेरित करना। वाहन सीमित गति में चलाने, सुरक्षा संकेतों का महत्व बताने के लिए कार्यक्रम। साथ ही स्पीड, सेफ्टी और स्पीचुअलिटी का आपस में संबंध स्पष्ट करना। ताकि लोग असमय दुर्घटना में काल के गाल में समाने से बच सकें।

शिपिंग एविएशन टूरिज्म प्रभाग: मेरा देश- मेरी शान अभियान

6 शिपिंग एविएशन टूरिज्म विंग की ओर से देशव्यापी ‘मेरा देश, मेरी शान अभियान’ की शुरुआत की गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विरासत स्थलों के लिए समर्पित ‘अनदेखा भारत साइकिल यात्रा’ का शुभारंभ किया। ये यात्राएं देशभर में अलग-अलग सेवाकेंद्रों से निकाली जाएंगी।

ये होंगे कार्यक्रम: सच्चे भारतीय नायकों का सम्मान समारोह, पदयात्राएं, पारंपरिक वेशभूषा प्रतियोगिता, विरासत स्थलों के लिए साइकिल यात्रा, भारत हमको जान से प्यारा- प्रतिज्ञा पत्र, मातृभूमि को लोगों द्वारा पत्र लिखवाए जाएंगे। सात्विक जीवनशैली पर टॉक शो और प्रश्न-उत्तर का आयोजन।

उद्देश्य: मेरा देश-मेरी शान अभियान का उद्देश्य नागरिकों को भारत की प्राचीन और पुरातात्विक



6

धरोहर तक पहुंचकर उनका ऐतिहासिक, पौराणिक और धार्मिक महत्व से रुबरु कराना, पुरातन संस्कृति और सभ्यता को बढ़ावा देना है। साथ ही सात्विक जीवनशैली को अपनाने के लिए लोगों को प्रेरित करना, मातृभूमि के प्रति सच्ची देशभक्ति की भावना का विकास करना है।

चिकित्सा प्रभाग: माई इंडिया-हेल्दी इंडिया

7 चिकित्सा प्रभाग की ओर से राष्ट्रीय माई इंडिया-हेल्दी इंडिया अभियान की लांचिंग की गई। इसके तहत पहले चरण में मुख्यालय आबू रोड में कोविड-19 टीकाकरण एवं जागरूकता अभियान चलाया गया। मेडिकल विंग की ओर से पांच एंबुलेंस और 40 मेडिकल स्टाफ की टीम ने गांव-गांव जाकर वैक्सीनेशन किया।

ये होंगे कार्यक्रम: कोविड-19 टीकाकरण एवं जागरूकता अभियान। देशभर के अलग-अलग नर्सिंग व मेडिकल कॉलेजों में कार्यक्रम, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में 75 कार्यक्रम, गर्भ संस्कार विषय पर 75 कार्यक्रम, फॉर्मासिस्ट और चिकित्सा प्रतिनिधियों के लिए सम्मेलन और कैंसर जांच शिविर का आयोजन।



7

उद्देश्य: कोविड-19 टीकाकरण एवं जागरूकता अभियान के माध्यम से लोगों में वैक्सीनेशन के लेकर व्याप्त भय, शंका और अफवाहों को दूर करने उन्हें वैक्सीन लगवाने के लिए काउंसलिंग करना, बीके मेडिकल टीम द्वारा टीकाकरण करना है। साथ ही मेडिकल क्षेत्र से जुड़े लोगों को आध्यात्मिकता का संदेश देना है।

राजयोगी राइडर्स ने सात दिन में पूरी की 1600 किमी की यात्रा

‘एक भारत-श्रेष्ठ भारत’ मोटर बाइक अभियान: आबू रोड से गुरुग्राम का सफर किया तय



शांतिवन में मोटर बाइक अभियान यात्रा के लौटने पर बीके राइडर्स का वरिष्ठ पदाधिकारियों का किया गया सम्मान।

■ शिव आमंत्रण, आबू रोड (राजस्थान)। एक भारत-श्रेष्ठ भारत का संकल्प लेकर शांतिवन से निकले बालब्रह्मचारी, राजयोगी ब्रह्माकुमार राइडर्स सात दिन में 1600 किमी की यात्रा कर वापस लौट आए। इस बीच कड़के की ठंड, बारिश और सर्द हवाओं के झोंके इन राजयोगी राइडर्स का उत्साह कम नहीं कर सके। अजमेर, जयपुर, दिल्ली एनसीआर होते हुए मोटर बाइक अभियान 25 जनवरी को हरियाणा के गुरुग्राम पहुंचा। रास्तेभर कई क्लब और संगठनों द्वारा राइडर्स का पुष्पवर्षा कर सम्मान किया गया। सात दिन में 35 कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को राजयोग मेडिटेशन, स्वर्णिम भारत निर्माण और श्रेष्ठ भारत के प्रति जागरूक कर संदेश दिया गया।

यात्रा पूरी कर राइडर्स के शांतिवन पहुंचने पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर राष्ट्रीय अभियान के शुभारंभ पर 20 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वचुंअल हरी झंडी दिखाकर शांतिवन से गुरुग्राम मोटर बाइक अभियान का शुभारंभ किया था। समारोह में संस्थान के कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय, पांडव भवन दिल्ली की निदेशिका बीके पुष्पा दीदी, खेल प्रभाग के मुख्यालय संयोजक बीके मोहन ने बाइक राइडर्स के होसले और साहस की सराहना की। मधुरवाणी ग्रुप ने देशभक्ति गीत की प्रस्तुति दी।

20

जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था वचुंअल शुभारंभ

35

से अधिक कार्यक्रम अभियान के दौरान आयोजित

10

राइडर्स मोटर बाइक अभियान में थे शामिल

27

जनवरी को वापस शांतिवन पहुंचे राइडर्स

राइडर्स टीम में ये भी रहे शामिल

मोटर बाइक अभियान टीम में बीके शक्तिराज, बीके प्रदीप, बीके मंजुनाथ, बीके प्रीतम, बीके राजेंद्र, बीके ऋषि, बीके श्रीधर और बीके पराशुमन भी शामिल रहे।

पहले दिन 350 किमी की दूरी तय की

पहले दिन 350 किमी की यात्रा पूरी कर अजमेर पहुंचे। जहां दूसरे दिन अजमेर से जयपुर पहुंचे। यहां विभिन्न संगठनों में राजयोग मेडिटेशन का संदेश दिया। तीसरे दिन दिल्ली से एनसीआर फिर गुरुग्राम पहुंचे, जहां समापन समारोह आयोजित किया गया।

- बीके जयसिन्हा, टीम लीडर व डायरेक्टर, सोलर पॉवर प्रोजेक्ट, शांतिवन, आबू रोड

दस साल से कर रहे हैं बाइक राइड

हम लोग राजयोग मेडिटेशन के साथ दस साल से बाइक राइड कर रहे हैं। बाइक से लद्दाख की यात्रा भी कर चुके हैं। इस दौरान कई विषम परिस्थितियों का सामना किया लेकिन कभी हमारा हौसला कमजोर नहीं हुआ। यह देखकर अन्य राइडर्स ने भी मेडिटेशन सीखने की इच्छा जताई।

- बीके व्यंकटेश, टीम लीडर व डायरेक्टर, फिल्म डिवीजन डिपार्टमेंट, शांतिवन, आबू रोड

18 हजार फीट पर फहराया शिव ध्वज

एक बार हमारी टीम के राइडर्स 18 हजार फीट की ऊंचाई पर परमात्मा शिव बाबा का ध्वज लहरा चुके हैं। वहां जाकर लोगों को राजयोग मेडिटेशन का भी संदेश दिया है। भारत में राइडर्स के 5 हजार ग्रुप हैं जिन्हें जोड़ने का लक्ष्य हमारी टीम ने रखा है।

- बीके राजशेखर, टीम लीडर व संचालक, किचन विभाग, शांतिवन, आबू रोड

देशभर में कार्यक्रम करने का लक्ष्य

शांतिवन के राजयोगी, बालब्रह्मचारी राइडर्स टीम ने देशभर में कार्यक्रम आयोजित करने का लक्ष्य रखा है। हमें बहुत गर्व होता है कि राजयोगी राइडर्स की टीम अपने शौक के साथ लोगों को आध्यात्म और राजयोग मेडिटेशन का भी संदेश दे रही है।

- बीके जगवीर, राष्ट्रीय समन्वयक, खेल प्रभाग, ब्रह्माकुमारीज, शांतिवन, आबू रोड

मेडिकल विंग का वैक्सीनेशन और जागरूकता अभियान

21 जनवरी से 31 जनवरी तक चला अभियान

05

एंजुलेंस ने प्रथम चरण में सेवाएं दीं

30

गांव क्वारंटाइन कवर

10

दिन आबू रोड तहसील में चला अभियान

40

मेडिकल स्टाफ ने दीं सेवाएं



■ शिव आमंत्रण, आबू रोड। ब्रह्माकुमारीज की सहयोगी संस्था राजयोग एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन के मेडिकल विंग द्वारा कोविड-19 टीकाकरण और जागरूकता अभियान शुरू किया गया। इसे आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर अभियान के तहत चलाया जा रहा है। संस्थान के कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय और मेडिकल विंग के सचिव डॉ. बनारसी लाल शाह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मेडिकल विंग और सिविल हॉस्पिटल की टीम द्वारा 21 जनवरी से 31 जनवरी तक आबू रोड तहसील के गांव-गांव जाकर लोगों को वैक्सीन लगाई गई। साथ ही ग्रामीणों में वैक्सीन को लेकर जो भ्रम की स्थिति है उसे दूर किया गया। पांच एंजुलेंस में 40 लोगों की टीम ने पहले चरण में 30 गांव क्वारंटाइन किए। एक हजार से अधिक लोगों को वैक्सीन लगाई गई। अभियान में डॉ. पूर्वी, बीके कृष्णा और बीके पवित्र व अन्य भाई-बहनों ने सेवाएं दीं।

रंगोली में उकेरे मन के भाव

1000

रंगोली प्रतियोगिता देशभर में आयोजित

400

कविताएं बीके भाई-बहनों ने लिखीं

- आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर अभियान के तहत आयोजन

- ब्रह्माकुमारीज से जुड़े भाई-बहनों ने उत्साह से लिया रंगोली प्रतियोगिता में भाग



देश की खुशहाली, तरक्की की उकेरी तस्वीर...

देशभर में सेवाकेंद्रों पर बनाई गई रंगोली के माध्यम से आजादी के संघर्ष की गाथा, वीर जवान, आजादी के सिपाही के साथ भारत की विरासत, प्राचीन धरोहरें, स्वच्छ पर्यावरण, जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, मेरा भारत- स्वर्णिम भारत, तकनीकी और वैज्ञानिक सक्षमता और देश की खुशहाली और तरक्की की तस्वीर इन रंगोली के माध्यम से उकेरी गई।

■ शिव आमंत्रण, आबू रोड (राजस्थान)। मन की कल्पनाओं और भावनाओं को जब ब्रह्माकुमार भाई-बहनों ने रंगोली के माध्यम से आकार दिया तो स्वर्णिम भारत की झलक साकार हो उठी। आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर अभियान के तहत देशभर में ब्रह्माकुमारीज संस्थान के 1000 से अधिक सेवाकेंद्रों पर रंगोली बनाओ प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें लोगों ने उत्साह के साथ बहुरंगीन भाग लिया। साथ ही कविता प्रतियोगिता में देशभर से 400 से अधिक कविताएं अमृत महोत्सव और स्वर्णिम भारत को लेकर लिखी गईं। इन कविताओं में स्वर्णिम भारत की झलक के साथ नवयुग, राष्ट्रप्रेम, पुरातन भारतीय संस्कृति, सभ्यता और आध्यात्म के साथ हमारी धरोहर योग को शब्दों के माध्यम से आकार दिया गया। इसमें मुख्य रूप से संस्थान के अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय शांतिवन आबू रोड, शांति सरोवर रायगढ़, छग, ओआरसी दिल्ली सहित अन्य स्थानों पर बड़े आकार की रंगोली बनाई गई। इसमें भारत माता को स्वर्णिम आभा से ओतप्रोत और सुख-शांति संपन्न दुनिया को दिखाया गया।

समाधान परक पत्रकारिता की जरूरत: प्रो. द्विवेदी

भारतीय जनसंचार संस्थान के निदेशक प्रो. संजय द्विवेदी ने रखे अपने विचार

शांतिवन में तीन दिवसीय मीडिया ट्रेनिंग एवं योग-तपस्या भट्टी आयोजित



शिव आमंत्रण, आबू रोड। वर्तमान परिस्थितियों के हिसाब से आज देश में समाधान परक पत्रकारिता की जरूरत है। पश्चिमी देशों में नकारात्मक खबरों को प्रमुखता से स्थान दिया जाता रहा है, जिसका अनुसरण भारतीय मीडिया ने भी किया है। हमारे देश में शास्त्रार्थ करके किसी समस्या का समाधान निकालने की परंपरा रही है। समाज में बदलाव और समृद्ध भारत के स्वप्न को साकार करने के लिए मीडिया को प्रमुखता से अपनी जिम्मेदारी निभाना होगी। मीडिया समाचारों में समस्या के साथ समाधान पर भी बात करे। इससे बेहतर समाज का निर्माण हो सकेगा। उक्त उद्गार नई दिल्ली स्थित भारतीय जनसंचार संस्थान के निदेशक प्रो. संजय द्विवेदी ने व्यक्त किए। वह ब्रह्माकुमारीज की सहयोगी संस्था राजयोग एजुकेशन एंड

रिसर्च फाउंडेशन के मीडिया विंग द्वारा शांतिवन में आयोजित तीन दिनी राष्ट्रीय मीडिया ट्रेनिंग को ऑनलाइन संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मीडिया विंग द्वारा देशभर में होने वाली सभा, सम्मेलन कार्यक्रमों की राष्ट्रीय लॉन्चिंग की गई। संस्थान के कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय, मीडिया विंग के उपाध्यक्ष बीके आत्म प्रकाश, नेशनल को-ऑर्डिनेटर बीके सुशांत, पीआरओ बीके कोमल, ओम शांति पत्रिका के संपादक बीके गंगाधर ने भी अपने विचार व्यक्त किए। वरिष्ठ पदाधिकारियों का सम्मान किया।



प्रो. संजय द्विवेदी, निदेशक, भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली

हमें स्वर्णिम भारत का निर्माण करना है



हमें स्वर्णिम भारत का निर्माण करना है। हमारी ऋषि परंपरा, वसुधैव कुटुम्बकम् की परंपरा रही है। ऋषि लोककल्याण के लिए होते हैं। पत्रकारिता का काम सिर्फ सवाल खड़े करना ही नहीं है, बल्कि लोकोपकारक समाधान भी प्रस्तुत करना है। पत्रकारिता पर नवनिर्माण की बड़ी जिम्मेदारी है।

प्रो. बलदेव भाई शर्मा, कुलपति, कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, रायपुर, छग

विश्व एक परिवार है



ब्रह्माकुमारीज संस्थान स्थापना के समय से ही एक विश्व, एक ईश्वर, एक परिवार की थीम के साथ कार्य कर रही है। इसी उद्देश्य को पूरा करने के लिए दिनरात सेवा में जुटी है। मीडिया में जनमानस और समाज का नजरिया और सोच बदलने की ताकत है। वर्षभर चलने वाले इस अभियान के तहत पत्रकारों को समाधान परक पत्रकारिता की ओर से अग्रसर करने में हमारा प्रयास रहेगा। इसके लिए देशभर में कार्यक्रम किए जाएंगे।

बीके करुणा, अध्यक्ष, मीडिया विंग, ब्रह्माकुमारीज, शांतिवन

सभी मिलकर करेंगे काम



ब्रह्माकुमारीज के मीडिया विंग ने जो समाधान परक पत्रकारिता का बीड़ा उठाया है उसमें विश्वविद्यालय परिवार पूरे मनोभाव से आपके साथ खड़ा है। हम सभी मिलकर मीडिया हाऊस, पत्रकार संगठन आदि में कार्यक्रमों के जरिए उक्त विषय पर चिंतन-मनन और प्रशिक्षण कार्य करेंगे।

प्रो. केजी सुरेश, कुलपति, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल, मप्र

सभी मिलकर करेंगे काम



यहां से प्रशिक्षण लेकर आप सभी अपने-अपने कार्यक्षेत्र में सभा, सम्मेलन और गोष्ठीयों का आयोजन करें। साथ ही पत्रकारों को उपरोक्त विषय पर कार्य करने के लिए प्रेरित करें।

बीके शांतनु, मुख्यालय समन्वयक, मीडिया विंग, शांतिवन

रैली से दिया कैंसर से बचने का संदेश

विश्व कैंसर दिवस: मेडिकल विंग ने आबू रोड के तलहटी क्षेत्र में निकाली जनजागरूकता रैली



शिव आमंत्रण, आबू रोड। ब्रह्माकुमारीज संस्थान के मेडिकल विंग की ओर से विश्व कैंसर दिवस पर तलहटी क्षेत्र और शांतिवन परिसर में जन जागरूकता रैली निकाली गई। आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर अभियान के तहत निकाली गई इस रैली में बीके भाई-बहनों हाथों में कैंसर से बचाव का संदेश देती तख्तियां, बैनर और पोस्टर लेकर चल रहे थे। रैली को हरी झंडी दिखाते हुए ग्लोबल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, माउंट आबू के डायरेक्टर डॉ. प्रताप मिड्डा ने कहा कि राजयोग मेडिटेशन ही वह संजीवनी बूटी है जिसके प्रयोग और अभ्यास से हम कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बच सकते हैं। इससे हमारी बाँडी में पॉजीटिव सेल्स बढ़ते हैं जो निगेटिव सेल्स को खत्म करते हैं। 3डी हार्टकेयर तकनीक डायरेक्टर डॉ. सतीश गुप्ता ने कहा कि हमें जीवन में संयमित रहते हुए जीना होगा। मेडिकल विंग के सचिव डॉ. बनारसी लाल शाह ने कहा कि ज्यादातर बीमारियों का कारण मानसिक अस्वस्थता ही है। जिसका निदान राजयोग मेडिटेशन में समाया हुआ है।

1000+ सहभागी
01 किमी लंबी रैली

जरूरतमंदों के लिए बांटे कंबल



ग्राम उपलाखेजड़ा में जरूरतमंदों के लिए कंबल वितरित करते हुए बीके यशवंत।

शिव आमंत्रण, आबू रोड। ग्राम पंचायत उपलाखेजड़ा में रेडियो मधुबन की ओर से आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर अभियान के तहत कंबल वितरण किया गया। ग्रामीणों को राजयोग मेडिटेशन का महत्व बताते हुए जीवन में अपनाते की सीख दी। रेडियो मधुबन (90.4 एफएम) के स्टेशन हेड बीके यशवंत पाटिल ने कहा कि रेडियो मधुबन का प्रयास रहा है कि आप लोगों को अपनी बोली में लोकसंगीत और ज्ञानवर्द्धक जानकारी पहुंचाई जाए। ग्रामीणों ने कहा कि हम सभी लोग रोजाना रेडियो मधुबन मोबाइल पर सुनते हैं। आरजे रमेश ने राजयोग मेडिटेशन के फायदों से रूबरू कराया। सरपंच रेखा देवी गारासिया ने जरूरतमंदों की मदद के लिए रेडियो मधुबन के प्रयासों की सराहना करते हुए इसे समाजसेवी कदम बताया। इस दौरान पंचायत समिति सदस्य देवाराम गारासिया, रेशमा राम गारासिया, ऋषि, विनोद सिंघानिया सहित पास की ग्राम पंचायत के पंचायत प्रतिनिधि, महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग मौजूद रहे।

तलहटी क्षेत्र में चलाया स्वच्छता अभियान

ब्रह्माकुमारी भाई-बहनों ने थामी झाड़ू सड़कों को किया साफ

आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर अभियान के तहत आयोजन



200+ सहभागी

50+ ब्रह्माकुमारी बहनों ने भी थामी झाड़ू

शिव आमंत्रण, आबू रोड (निप्र)। ब्रह्माकुमारीज संस्थान द्वारा तलहटी क्षेत्र में आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर अभियान के तहत स्वच्छता अभियान चलाया गया। इसमें 200 से अधिक भाई-बहनों ने हाथों में झाड़ू थामकर सड़क के दोनों ओर सफाई की। साथ ही आसपास के लोगों से अपने घरों व दुकानों के पास सफाई रखने की समझाइश दी। सफाई अभियान में बच्चों से लेकर बुजुर्ग भाई-बहनों ने भाग लिया और उत्साह के साथ साफ-सफाई की। कचरे को पॉलीथिन बैग में भरकर ट्रॉली से ट्रेचिंग ग्राउंड भिजवाया गया। संस्थान के कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय ने कहा कि देशभर में संस्थान से जुड़े सेवाकेंद्रों पर सफाई अभियान चलाया जाएगा। मेरा सभी दुकानदारों और नागरिकों से आह्वान है कि अपने घरों और दुकानों को आसपास सफाई बनाकर रखें। दुकान के बाहर एक डस्टबिन जरूर लगाएं। इस मौके पर ब्रह्माकुमारीज संस्थान के पीआरओ बीके कोमल, बीके शिविका, बीके भानु, बीके बुरहान सहित दो सौ से अधिक भाई-बहनों ने भाग लिया।

सोचना कैसे है, यह मूलमंत्र ब्रह्माकुमारीज़ में मिलता है

सोनाली निकम

टीवी एक्ट्रेस

बॉलीवुड एवं टीवी एक्ट्रेस सोनाली निकम ने शिव आमंत्रण से साझा किए अपने जीवन से जुड़े अनुभव



» शिव आमंत्रण, आबू रोड। हमारी सोसायटी में धर्म को लेकर बहुत सी चीजों में कन्फ्यूजन की स्थिति है। इसलिए मेरे मन में भी धर्म, व्रत आदि को लेकर कई सवाल रहते थे कि क्या सही है और क्या करना चाहिए। एक दिन अचानक चैनल सर्च करते-करते आस्था लग गया और उस समय शिवानी दीदी की स्पीच चल रही थी। दीदी के कुछ शब्द सुनते ही पूरी क्लास सुनने का मन हुआ और उस दिन वह क्लास इतनी अच्छी लगी कि रोज दीदी की क्लास सुनने लगी और बहुत अच्छा लगने लगा। इस तरह मेरी लाइफ में बदलाव आने शुरू हो गए। मन शांत होने से खुश रहने लगी। जीवन से जुड़े कई अनुभव शिव आमंत्रण से विशेष बातचीत में बॉलीवुड एवं टीवी एक्ट्रेस सोनाली निकम ने साझा किए। टीवी एक्ट्रेस सोनाली ने कई सारे फेमस सीरियल 'गोदभराई', 'एक विवाह ऐसा भी', 'गीत हुई सबसे प्यारी' आदि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उन्होंने कहा कि पहले मुझे भक्ति में बहुत विश्वास था। जब मैं कॉलेज में थी तो एक दिन साईं बाबा का उपवास रखा। उस दिन जब मैं कॉलेज से घर आई तो मेरी मां मुझे भूखा देखकर काफी दुखी थीं। उन्हें इस तरह दुःखी देखकर मेरे मन में संकल्प आया कि जब मेरे उपवास से मेरी मां ही खुश नहीं हैं तो भगवान कैसे खुश हो सकते हैं? हम भी तो उनके बच्चे हैं। तब मुझे लगा कि कहीं न कहीं कुछ कमी है। क्योंकि मैं कोई कार्य अपनी मां को दुखी करने के लिए नहीं करना चाहती थी। इसलिए उस दिन से मैंने उपवास छोड़ दिया। दीदी की क्लास से मुझे प्रेरणा

मिली और सीखा कि हमें उपवास अन्न का नहीं अपने मन में चलने वाले बुरे विचारों, नकारात्मक विचारों, अपनी गलत आदतों का करना है। फिर मैंने सप्ताह में एक दिन, एक संकल्प लेकर जो छोटी-छोटी चीजें तकलीफ दे रही थीं उन पर ध्यान देना शुरू किया। अपनी कोई एक आदत बदलने के संकल्प से विचारों का उपवास शुरू कर दिया। धीरे-धीरे मुझमें परिवर्तन आने लगा। पहले मुझे बहुत गुस्सा आता था लेकिन राजयोग मेडिटेशन की प्रैक्टिस से आज न के बराबर आता है। ज्यादातर समय खुश ही रहती हूँ।

यहां दिया जाता है सोचने की कला का ज्ञान

उन्होंने कहा कि हमें बचपन से घर में सबकुछ सिखाया जाता है कि ऐसे बैठना है, ऐसे चलना-फिरना और व्यवहार करना है। लेकिन यह नहीं सिखाया जाता है कि सोचना कैसे है। यह सोचने की कला और खुद के बारे में गहराई से जानने की कला ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान में सिखाई जाती है। यदि मेरी भावना मेरे प्रति अच्छी है, शुभ है तो हमें बोलने पर ध्यान ही नहीं देना है, वह स्वाभाविक रूप से दूसरों के लिए भी अच्छी ही होगी। यहां के आध्यात्मिक ज्ञान से सबसे महत्वपूर्ण हमें अपने मन, विचार की शक्ति का ज्ञान होता है। राजयोग मेडिटेशन से

अब खुद ही निकाल लेते हैं समस्या का समाधान

पहले मैं छोटी-छोटी बातों के समाधान के लिए दूसरों के पास सलाह लेने के लिए जाती थी लेकिन अब इस आध्यात्मिक ज्ञान को मिलने के बाद खुद ही इन समस्याओं का समाधान निकाल लेती हूँ। मेरी समस्या है तो मैं ही ठीक कर सकती हूँ। परमात्मा शिव बाबा की मदद से हर समस्या का समाधान निकाला जा सकता है।

हम यह जान जाते हैं कि विचारों को श्रेष्ठ, शक्तिशाली और सकारात्मक कैसे बनाना है।

माउंट आबू आकर दिव्य अनुभूति हुई

जैसे ही मैंने माउंट आबू, पांडव भवन की भूमि पर कदम रखा तो मुझे यहां आकर दिव्य अनुभूति हुई। मेरा मन अद्भुत शांति की शक्ति से भर गया। ऐसा लगा कि लाइफ में सबकुछ पा लिया है। जिस अतीन्द्रिय शांति की मुझे तलाश थी वह आज मिल गई है। ब्रह्माकुमारीज़ बहनों बिना किसी नाम-मान-शान की भावना के निःस्वार्थ रूप से सेवा कर रही हैं। उनके जीवन में दिव्यता, पवित्रता देखकर बहुत खुशी होती है। उनके जीवन से सीखा है कि इस दुनिया में आप अपना बेस्ट देते जाइए और बाकी सब परमात्मा पर छोड़ दीजिए। मैंने यहां जाना है कि हमें अपनी चीजों को कैसे संभालना है।

राजयोग मेडिटेशन से बढ़ी इनर सेल्फ पॉवर

जब मैं राजयोग मेडिटेशन का नियमित प्रैक्टिस करने लगी तो इससे मेरी इनर पॉवर बढ़ गई है। मैंने अनुभव किया है कि जितना हम स्पीचुअलिटी को जानते जाते हैं और इनर सेल्फ पर ध्यान देते हैं तो हमारी पर्सनॉलिटी इम्प्रूव होती जाती है। खुद को समझने के बाद हमें दूसरों को समझने की कला भी आ जाती है। मेरा आप सभी से भी आग्रह है कि अपनी रूटीन लाइफ में से कुछ समय स्पीचुअलिटी के लिए भी निकालें। इसे लाइफ में इम्प्लीमेंट करें। आप किसी भी प्रोफेशनल में हैं यदि अपने इनर पॉवर पर फोकस करते हैं तो आप उसमें बेस्ट दे सकते हैं। लाइफ को बैलेंस करने में मेडिटेशन बहुत हेल्प करता है। युवा स्पीचुअलिटी से जुड़ते हैं तो उन्हें लाइफ में एक नई दिशा मिल जाती है। वह अपनी लाइफ को चैंज कर सकते हैं।

ध्यान से दिन की शुरुआत

अब रोजाना की सुबह राजयोग मेडिटेशन के अभ्यास से होती है। कितनी भी बिजी रहूं लेकिन इसकी प्रैक्टिस नहीं भूलती हूँ। दिन में शूटिंग के दौरान भी बीच-बीच में प्रैक्टिस करती रहती हूँ। इससे माइंड को पॉवर मिलती है और परमात्मा की शक्ति का एहसास होता है। इसी का नतीजा है कि अब मेरी वर्क पॉवर बढ़ गई है। मेडिटेशन में परमात्मा की शक्तियों को महसूस किया जा सकता है। भगवान को प्यार से याद करना, उनसे बातें करना, अपने मन की बात उन्हें बताना ही मेडिटेशन है। वास्तव में हमारा खुद का एक रिश्ता परमात्मा के साथ बनाना ही मेडिटेशन है।



आध्यात्म की ओर बढ़ते सितारे



मेडिटेशन एक विज्ञान है

ब्रह्माकुमारीज़ के मुख्यालय माउंट आबू आकर बहुत ही शांति की अनुभूति हुई है। आज की दुनिया में ऐसे लोगों की और ऐसी संस्थाओं की बहुत ही जरूरत है। मेडिटेशन से हम जो भी काम करते हैं तो स्थिर मन से करते हैं। मेडिटेशन से हम दो मिनट खुद पर फोकस करके खुद को शांत और स्थिर कर सकती हैं। सभी के लिए मेडिटेशन बहुत जरूरी है। मेडिटेशन एक साइंस है। जिसे सही तरीके से समझने की जरूरत है। हम अपनी जिंदगी में कितने भी व्यस्त हूँ लेकिन रोज कम से कम 5-10 मिनट रोजाना मेडिटेशन के लिए जरूर निकालें। इसका असर निश्चित रूप से आपके काम पर दिखेगा। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान लोगों को सही राह दिखाने के लिए कार्य कर रही है। जीवन में सही मार्ग मिल रहा है। यह सब कार्य भगवान ही करा सकते हैं। भगवान की शक्ति से ही यहां की बहनें इतना सब कार्य कर पा रही हैं। यहां भगवान की ही शक्ति है जो विश्व स्तर पर लोगों को आध्यात्म की शिक्षा दी जा रही है। हमारे देश में महिलाओं की पूजा देवी के रूप में होती आ रही है। चाहे मां दुर्गा हों, मां काली हों, मां सीता हों... इसी तरह हमारे देश की नारियों में भी वह शक्तियां हैं जिसे पहचानने की जरूरत है। ब्रह्माकुमारी बहनों ने अपनी शक्ति को पहचाना है और उसे सही दिशा में लगा रही हैं।

रवीना टंडन
मशहूर फिल्म अभिनेत्री, मुंबई



बाबा ने मेरा जीवन बदला

राजयोग मेडिटेशन से मेरी जिंदगी बदल गई। वास्तव में राजयोग मेडिटेशन सभी के लिए सीखना चाहिए। इससे व्यक्तित्व का पुनःनिर्माण होता है। लोगों को आध्यात्म का संदेश देने के लिए जिंदल ग्रुप के सभी स्कूलों, हॉस्पिटल और कंपनियों में भी समय-समय पर मोटिवेशनल वर्कशॉप, सेमीनार, आध्यात्मिक प्रवचन और राजयोग मेडिटेशन की शिक्षा ब्रह्माकुमारी बहनों के माध्यम से दी जाती है। मैं खुद को भाग्यशाली समझती हूँ कि मुझे परमात्मा का सत्य ज्ञान मिला। शिव बाबा ने मेरा जीवन बदल दिया। वर्तमान परिवेश में आज यह ज्ञान सभी को जानना चाहिए। इससे जीवन जीने की कला आती है। ब्रह्माकुमारीज़ को लेकर लोगों के मन में कई तरह के भ्रम हैं जो गलत हैं। इनका पवित्र और तपस्वी जीवन मिसाल है जो हमें प्रेरणा देता है।



दीपिका जिंदल

डायरेक्टर, जिंदल ग्रुप ऑफ स्कूल व हॉस्पिटल, दिल्ली

दादी जानकी: द्वितीय पुण्य स्मरण] तपस्या का तप है कि योग के प्रकम्पनों को आज भी शक्ति स्तंभ पर महसूस कर सकते हैं

राजयोगिनी दादी जानकी

दादी के जीवन के तीन मंत्र- सच्चाई, सफाई और सादगी

भगवान कहते हैं- मेरे बच्चों तुम कोई भी फिक्र मत करो, सिर्फ मुझे याद करो, मैं तुम्हारे सारे कार्य आसान कर दूंगा। खुशी सबसे बड़ा गहन है, सदा खुशी में नाचते रहो। खुशी जीवन का शृंगार है।

■ शिव आमंत्रण, आबू रोड। विश्वभर को सच्चाई, सफाई और सादगी का संदेश देने वाली योग शक्ति राजयोगिनी दादी जानकी जी की तपस्या का ही कमाल है कि उनके योग के प्रकम्पनों को आज भी महसूस किया जाता है। दादी की याद में बने शक्ति स्तंभ पर पहुंचते ही मन योग में रम जाता है। दादी की कथनी और करनी एक समान थी। यही कारण है कि उन्होंने ताउम्र अपने जीवन के मूलमंत्र- सच्चाई, सफाई और सादगी को प्रत्येक पल जीया। हृदय इतना विशाल की 50 हजार ब्रह्माकुमारी बहनों की मार्गदर्शिका और पांच हजार से अधिक सेवाकेंद्रों की निदेशिका होने के बाद भी कहती थीं कि मेरा जेब खाली और मैं विश्व का मालिक। दादीजी 27 मार्च 2020 को 104 वर्ष की उम्र में स्थूल देह का त्याग कर अव्यक्त वतन वासी हो गईं थीं, द्वितीय पुण्य स्मरण पर विशेष...

बचपन से ही थे

भक्तिभाव के संस्कार

अविभाज्य भारत के हैदराबाद सिंध प्रांत में वर्ष 1916 में जन्मी दादी जानकी ने मात्र चौथी कक्षा तक ही पढ़ाई की थी। भक्ति भाव के संस्कार बचपन से ही मां-बाप से विरासत में मिले। उन्होंने लोगों को दुःख, दर्द, तकलीफ, जातिवाद और धर्म के बंधन में बंधे देख अल्पायु में ही समाज परिवर्तन का दृढ़ संकल्प किया। माता-पिता की सहमति से 21 वर्ष की आयु में आप ओम् मंडली (ब्रह्माकुमारीज का पहले यही नाम था) से जुड़ गईं। ब्रह्मा बाबा के सांनिध्य में 14 वर्ष तक गुप्त तपस्या की।

37 देशों में किया

आध्यात्म का शंखनाद

दादी पहली बार 60 साल की आयु में वर्ष 1970 में विदेशी जमीं पर मानवीय मूल्यों और आध्यात्मिकता का बीज रोपने के लिए निकलीं। सबसे पहले लंदन से आध्यात्म का बीजारोपण किया। यहां 1991 में कई एकड़ क्षेत्र में फैले ग्लोबल को-ऑपरेशन हाऊस की स्थापना की।

कारवां बढ़ता गया और यूरोप के देशों में आध्यात्म का शंखनाद हुआ। दादी ने अकेले ही 100 से अधिक देशों में आध्यात्म का संदेश पहुंचाया। उन्होंने वर्ष 1970 से 2007 तक 37 वर्ष विदेश में अपनी सेवाएं दीं। वर्ष 2007 में संस्था की तत्कालीन मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि के अव्यक्त होने के बाद 27 अगस्त 2007 को ब्रह्माकुमारीज की मुख्य प्रशासिका बनकर अंतिम सांस तक ईश्वरीय सेवा की।

प्रधानमंत्री ने बनाया था

स्वच्छता का ब्रांड एंबेसेडर

देश में स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दादी जानकी को स्वच्छ भारत मिशन का ब्रांड एंबेसेडर भी नियुक्त किया था। दादी के नेतृत्व में पूरे भारतवर्ष में विशेष स्वच्छता अभियान भी चलाए गए। इसके अलावा दादी को देश-विदेश में मानव मात्र की सेवाओं के लिए कई राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय अवार्ड से भी नवाजा गया। मूल्यनिष्ठ शिक्षा एवं आध्यात्मिकता में विश्वभर में सराहनीय योगदान देने पर दादीजी को वर्ष 2012 में गीतम विश्वविद्यालय, विशाखापट्टनम ने डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया। आध्यात्मिक एवं धार्मिक लोगों के एक संगठन कीपर्स ऑफ विजडम की दादी जी सदस्य भी थीं। विश्व स्तर पर मानव आवास एवं पर्यावरण की समस्याओं के समाधान के लिए यह संगठन कार्य करता है। दादी के सम्मान में वर्ष 1977 में लंदन में जानकी फाउंडेशन फॉर ग्लोबल हेल्थकेयर की स्थापना की गई।

विश्व की सबसे स्थिर

मन की महिला का

खिताब मिला था

दादी जानकी दुनिया की पहली ऐसी महिला थीं, जिन्हें सबसे स्थिर मन की महिला का खिताब मिला



था। अमेरिका के टेक्सास मेडिकल एवं साइंस इंस्टीट्यूट में वैज्ञानिकों द्वारा परीक्षण के बाद दादीजी को मोस्ट स्टेबल माइंड ऑफ द वर्ल्ड वुमन से नवाजा था। उन्होंने योग से अपने को मन इतना संयमित, पवित्र, शुद्ध और सकारात्मक बना लिया था कि वह जिस समय चाहें, जिस विचार या संकल्प पर और जितनी देर चाहें, स्थिर रह सकती थीं।

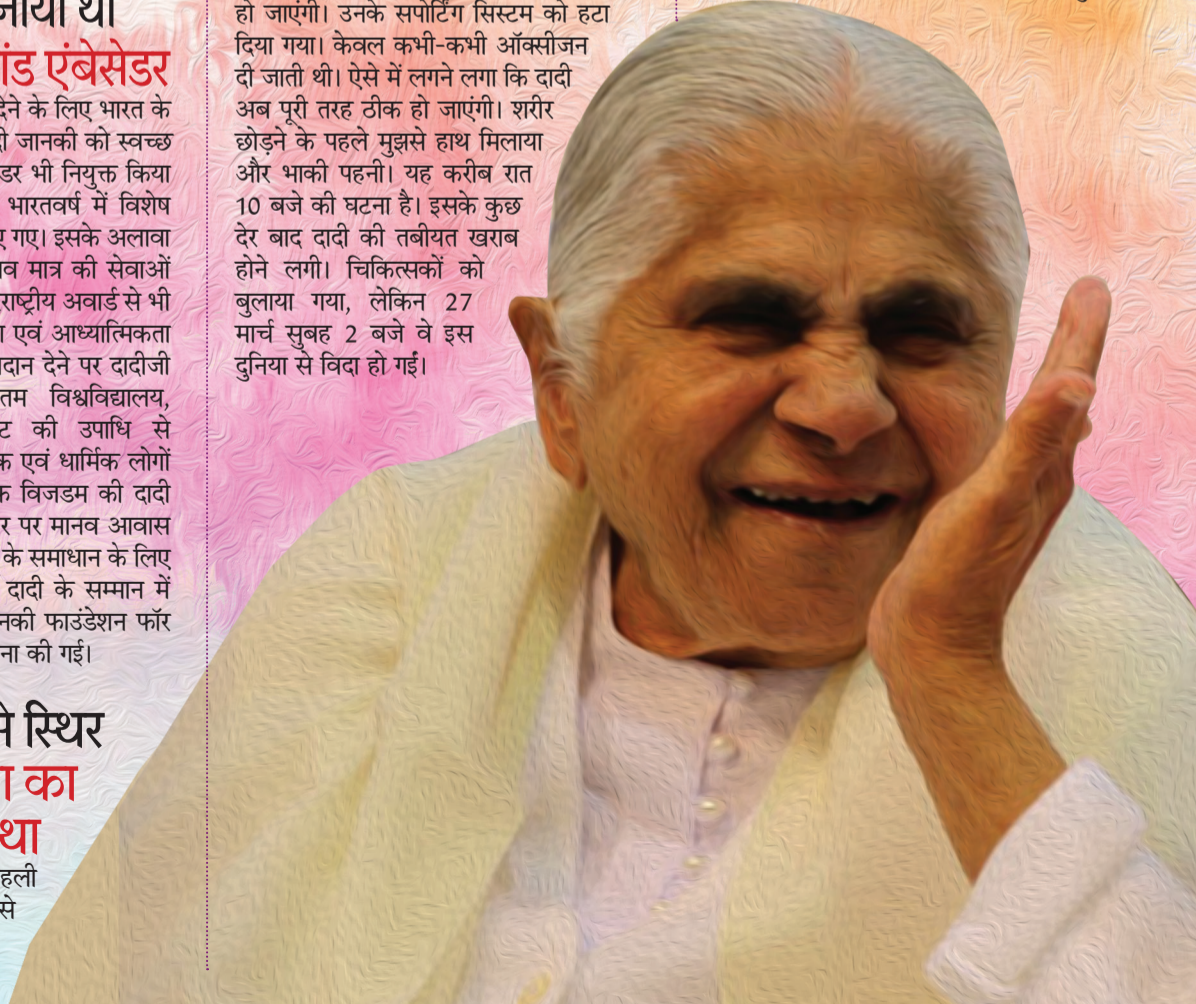
दादीजी ने पहले ही कर ली थी जाने की तैयारी

दादीजी के साथ लंदन में रहीं और 35 साल तक निज सचिव के रूप में सेवाएं देने वाली वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके हंसा ने बताया कि दादीजी ने पहले से ही अपने शरीर छोड़ने की प्लानिंग कर ली थी। कई बार इसका जिक्र करती थीं कि वे चाहती हैं कि उनके शरीर छोड़ने के समय न तो कोई मेडिकल मशीनरी लगी हो और न ही किसी हॉस्पिटल में रहें। दादी जब 27 मार्च को इस दुनिया से विदा हुई तो बिल्कुल वही स्थिति थी। दादी की इच्छा थी कि जब वे शरीर छोड़ें तो ज्यादा तामझाम या ज्यादा खर्च या लोग इक्कट्टे ना हों। यह बात वह कई बार सार्वजनिक रूप में भी करती थीं। वैसे, उनकी तबियत 17 मार्च को ही अहमदाबाद में ज्यादा खराब हो गई। वहां से चिकित्सक छुट्टी नहीं दे रहे थे कि वे माउंट आबू लेकर आए, लेकिन दादी का भाव और विचार था कि जल्दी माउंट आबू ले चलो। 18 मार्च को हम आबू आ गए। यहां एक बारगी लगा कि दादी ठीक हो जाएंगी। उनके सपोर्टिंग सिस्टम को हटा दिया गया। केवल कभी-कभी ऑक्सीजन दी जाती थी। ऐसे में लगने लगा कि दादी अब पूरी तरह ठीक हो जाएंगी। शरीर छोड़ने के पहले मुझसे हाथ मिलाया और भाकी पहनी। यह करीब रात 10 बजे की घटना है। इसके कुछ देर बाद दादी की तबीयत खराब होने लगी। चिकित्सकों को बुलाया गया, लेकिन 27 मार्च सुबह 2 बजे वे इस दुनिया से विदा हो गईं।

दादी जी के जीवन की

10 अनमोल शिक्षाएं

- 01 प्रभु से इतना प्यार है कि उसे अपने दिल में बैठा रखा है। उसे हरदम अपने दिल-जिगर के पास महसूस करती हूँ। जब आंख खोलती हूँ तो बाबा की दृष्टि पड़ती, उन्हें अपनी आंखों से निहारती हूँ। परमात्मा से अन्नय प्रेम ही जीवन का सार है।
- 02 मेरे दो बच्चे हैं- सुख और शांति। मेरा पति दिलवाला (परमपिता शिव परमात्मा) है। अब मेरा तीसरा बच्चा है प्रेम। जीवन का आधार सुख-शांति और प्रेम है।
- 03 मेरा सफेद कपड़ा, जेब खाली और सारे विश्व की मालिक हूँ। मैंने कभी जीवन में अपने साथ पर्स नहीं रखा। कभी भी एक रूप की फिक्र नहीं रही। करनकरावनहार परमात्मा शिव बाबा सब करा लेता है। जब सबकुछ उसे अर्पण कर देते हैं तो फिर सारी जिम्मेवारी प्रभु पिता की हो जाती है।
- 04 जीवन में सच्चाई है तो खुशी मिलेगी, खुशी से प्रेम और प्रेम से नम्रता-मधुरता।
- 05 जीवन में सदा ओके रहना, चाहे लाख परेशानियां आएँ, अपने मन की स्थिति कभी बिगड़ने नहीं देना।
- 06 सारे संसार में कोई बात मुश्किल नहीं है। परमात्मा पिता पर विश्वास हो तो सब आसान है। ब्रह्माकुमारी बहनों जो संकल्प करती हैं वह पूरा हो जाता है क्योंकि सब कार्य परमात्मा शिव बाबा कराते हैं। करनकरावनहार तो बाबा है।
- 07 भगवान कहते हैं- मेरे बच्चों तुम कोई भी फिक्र मत करो, सिर्फ मुझे याद करो, मैं तुम्हारे सारे कार्य आसान कर दूंगा। खुशी सबसे बड़ा गहन है, सदा खुशी में नाचते रहो।
- 08 दुनिया में प्रत्येक व्यक्ति महत्वपूर्ण है। जब हम मिलकर कोई कर्म करते हैं तो वह आसान हो जाता है और सफल होता है।
- 09 जीवन में सच्चाई से चलेंगे तो सुख मिलेगा। त्याग-तपस्यामूर्त बनेंगे तो ही आत्मा का विकास होगा। धीरज रखो, शांति से रहो।
- 10 पांच बातें हर एक के दिल में छपी हैं- पवित्रता, सत्यता, धैर्यता, नम्रता, मधुरता।



राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी: प्रथम पुण्य स्मरण विशेष] 11 मार्च
2021 को महाप्रयाण कर अव्यक्त वतनवासी हो गई थीं दादी

जिनका जीवन दिव्य गुणों के गुलदस्ते की तरह था 'गुलजार'

» शिव आमंत्रण, आबू रोड। जिनकी आंखों में परमात्म प्यार की चमक, चेहरे पर दिव्य मुस्कान, रुहानियत से लबरेज व्यक्तित्व, सादगी की मूरत और दिव्य गुणों रूपी गुलदस्ते की तरह जिनका जीवन गुलजार था। ऐसी दिव्य आभा और दिव्य दृष्टि के वरदान से संपन्न थीं राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी (गुलजार दादी)। 11 मार्च 2021 को इस दैहिक लोक से महाप्रयाण कर अव्यक्तवासी हो गई थीं। 92 वर्ष की आयु में आपको वर्ष 2020 में ब्रह्माकुमारीज की मुख्य प्रशासिका नियुक्त किया गया था। दादीजी की स्मृति और उनकी शिक्षाओं को याद दिलाने और उन्हें संजोकर रखने के लिए शांतिवन परिसर में स्मृति स्तंभ अव्यक्त लोक का निर्माण कार्य जारी है। गुलजार दादी के प्रथम पुण्य स्मरण पर उनके

जीवन से जुड़े अनछुए पहलू, प्रेरणाएं और शिक्षाओं को लेकर विशेष....

बचपन में ध्यान में होती थीं दिव्य अनुभूतियां-

दादी हृदयमोहिनी ने मात्र चौथी कक्षा तक ही पढ़ाई की थी। लेकिन तीक्ष्ण बुद्धि होने से आप जब भी ध्यान में बैठतीं तो शुरुआत के समय से ही दिव्य अनुभूतियां होने लगीं। यहां तक कि आपको कई बार ध्यान के दौरान दिव्य आत्माओं के साक्षात्कार हुए, जिनका जिक्र उन्होंने ध्यान के बाद ब्रह्मा बाबा और अपनी साथी बहनों से भी किया। दादी की सबसे बड़ी विशेषता थी उनका गंभीर व्यक्तित्व। बचपन में जहां अन्य बच्चे स्कूल में शरारतें करते और खेल-कूद में दिलचस्पी के साथ भाग लेते थे, वहीं आप गहन चिंतन की मुद्रा में रहती थीं।

संपर्क में आने वालों को होती थी दिव्यता की महसूसता-

जब आप मात्र 9 वर्ष की थीं तब से आपको दिव्य लोक की अनुभूति होने लगी। इसके बाद से वह जीवन की अंतिम यात्रा तक ज्यादातर समय ध्यान मग्न ही रहती थीं। दादी का पूरा जीवन सादगी, सरलता और सौम्यता की मिसाल रहा। बचपन से ही विशेष योग-साधना के चलते दादी का व्यक्तित्व इतना दिव्य हो गया था कि उनके संपर्क में आने वाले लोगों को उनकी तपस्या और साधना की अनुभूति होती थी। उनके चेहरे पर तेज का आभास उतनी तपस्या की कहानी साफ बयां करता था। एक साक्षात्कार के दौरान दादी ने बताया था कि जब वह 9 वर्ष की थीं और अपने मामा के यहां गई थीं, तभी उनके घर ब्रह्मा बाबा का आना हुआ। यहां बाबा से उन्हें दिव्य साक्षात्कार हुआ था। बाबा हम बच्चों का इतना ख्याल रखते थे कि खुद अपने हाथ से दूध में काजू-बादाम डालकर खिलाते थे। बाबा का प्यार, स्नेह इतना मिला कि कभी भी लौकिक मां-बाप की याद नहीं आई।

1969 से 2016 तक कराया परमात्म मिलन-

18 जनवरी 1969 में संस्थापक ब्रह्मा बाबा के अव्यक्त होने के बाद परमात्म आदेशानुसार दादी ने परमात्म संदेशवाहक और दूत बनकर लोगों के लिए आध्यात्मिक ज्ञान और दिव्य प्रेरणा देने की भूमिका निभाई। दादीजी ने 2016 तक परमात्मा का दिव्य संदेश देकर लाखों भाई-बहनों को योग-तपस्या बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। एक बार चर्चा के दौरान दादीजी ने बताया था कि जब मैं मन की शक्ति से वतन में जाती हूँ तो आत्मा तो शरीर में रहती है लेकिन मुझे इस शरीर का भान नहीं रहता है।

8 साल की उम्र में संस्था से जुड़ी-

दादी के बचपन का नाम शोभा था। आपका जन्म वर्ष 1928 में करांची में हुआ था। आप जब 8 वर्ष की थीं तब संस्था के साकार संस्थापक ब्रह्मा बाबा द्वारा खोले गए ओम निवास बोर्डिंग स्कूल में दाखिला लिया। यहां आपने चौथी कक्षा तक पढ़ाई की। स्कूल में बाबा और मम्मा (संस्थान की प्रथम मुख्य प्रशासिका) के स्नेह, प्यार और दुलार से प्रभावित होकर अपना जीवन उनके समान बनाने की निश्चय किया। आपकी लौकिक मां भक्ति भाव से परिपूर्ण थीं।

मन हो जाता शक्तिशाली

दादी का इलाज करने वाले डॉक्टर कहते थे कि जैसे ही दादीजी के रूम में जाते थे तो मन को शक्तिशाली फीलिंग होती थी। बीमारी के बाद भी दादीजी के चेहरे पर कभी दर्द, दुःख या उदासी की फीलिंग नहीं देखी। दादीजी के साथ के अनुभव को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता है। उन दिव्य अनुभूतियों को सिर्फ अनुभव ही किया जा सकता है। हमारे जीवन का दादीजी एकमात्र ऐसी मरीज थीं जिन्होंने यह कभी नहीं कहा कि मुझे यह तकलीफ है।

ज्यादातर मौन रहती थीं दादी-

दादी ने 14 वर्ष तक बाबा के सानिध्य में रहकर कठिन योग-साधना की। इन वर्षों में खाने-पीने को छोड़कर दिन-रात योग साधना में वह लगी रहती थीं। बाबा एक-एक सप्ताह का मौन कराते थे। तभी से दादी का स्वभाव बन गया था कि जितना काम हो उतना ही बात करती थीं। अंत समय तक वह मौन में रहीं। 23 मार्च 2020 में संस्थान की पूर्व मुख्य प्रशासिका 104 वर्षीय राजयोगिनी दादी जानकी जी के अव्यक्त होने के बाद आपको संस्थान की मुख्य प्रशासिका नियुक्त किया गया था। अस्वस्थ होने के बाद भी आपको दिन-रात लोगों का कल्याण करने की भावना लगी रहती थी। दादीजी मुंबई से ही संस्थान की गतिविधियों का समाचार लेतीं और समय प्रति समय निर्देशन देतीं। दादी को नॉर्थ उड़ीसा विश्वविद्यालय, बारीपाड़ा ने डी. लिट (डॉक्टर ऑफ लिटरेचर) की उपाधि से विभूषित किया था।

दादी जी के जीवन की

10 अनमोल शिक्षाएं

01 जो भगवान से संबंध जोड़ते हैं वह भाग्यवान बन जाते हैं। परमात्मा का साथ जीवन की ज्योति जगा देता है, जिससे दुःखों का अंधकार समाप्त हो जाता है। भगवान का बच्चा होने का अर्थ है, उनकी विशेषताओं को स्वयं में प्रत्यक्ष करना।

02 जब आपको गर्मी होती है तो पंखे से हवा मांगते नहीं हैं, आप उसके सामने बैठ जाते हैं और हवा अपने आप आपको मिल जाती है, उसी प्रकार परमात्मा के सामने बैठ उसे हम दिल से याद करें तो परमात्मा की सारी शक्तियां आपको स्वतः मिल जाएगी, आपको मांगने की जरूरत नहीं।

03 समर्थन और विरोध केवल विचारों का होना चाहिए, किसी व्यक्ति का नहीं। क्योंकि अच्छा व्यक्ति भी गलत विचार रख सकता है और किसी बुरे व्यक्ति का भी विचार सही हो सकता है।

04 किसी चीज को समझने के लिए ज्ञान की आवश्यकता होती है, किन्तु उसे महसूस करने के लिए अनुभव की आवश्यकता होती है। जीवन में प्रसन्न व्यक्ति वह है जो स्वयं का मूल्यांकन करता है, जो दूसरों का मूल्यांकन करता है वह दुःखी रहता है।

05 चित्र बनाना जितना आसान है चरित्र बनाना उतना ही मुश्किल। जब कोई गुण दिखाई दे तो अपने मन को कैमरा बना लीजिए और कहीं अवगुण दिखाई दें तो अपने मन को आइना बना लीजिए।

06 मन की बीमारी से बचना चाहते हैं इसके लिए गीता में ईश्वर के महावाक्य हैं कि मन को मेरी याद में लगा दो अर्थात् "मनमनाभव" हो जाओ। जो अपने मन से शुभ भावनाओं का दान करते रहते हैं, वह हर प्रकार की मानसिक बीमारी से सदा मुक्त रहते हैं।

07 किसी के साथ रिश्ता बनाना हो तो उसके लिए समय निकालना पड़ता है उससे प्यार करना पड़ता है तब जाकर रिश्ता बनता है। फिर हमने कैसे सोच लिया कि मंदिर गए, घंटी बजाई, प्रसाद लिया और चलो... भगवान से रिश्ता बन गया, नहीं उससे रिश्ता बनाना है तो उस परमात्मा के लिए समय निकालना पड़ेगा, उसे याद करना पड़ेगा, उससे प्यार करना पड़ेगा, तब जाकर भगवान के साथ रिश्ता बनेगा।

08 नम्र बनो तो लोग नमन करते हुए सहयोग देंगे। दो ही चीजें ऐसी हैं, जिसमें किसी का कुछ नहीं जाता- मुस्कुराहट व दुआ। हमेशा बांटते रहें, जो व्यक्ति किसी दूसरे के चेहरे पर हंसी और जीवन में खुशी लाने की क्षमता रखता है, ईश्वर उसके चेहरे से कभी हंसी और जीवन से खुशी कम नहीं होने देता।

09 परीक्षा के समय पेपर में शिक्षक थोड़ी ही मदद करता है। उस समय तो पेपर चेक करने वाला हो जाता है। इसलिए बाबा कहते हमेशा एवररेडी रहो। बच्चों का सोचना और करना दोनों ही समान हो, जो सोचा वह किया। अपने को सदा चेक करते रहना कि मेरी अवस्था क्या है?

10 अभी समय कम है इसीलिए अपनी कमियों को तो सेवा पीछे-पीछे आएगी। वाणी की सेवा नहीं भी हुई तो मन्सा तो मैं करूंगी। जो कहते हैं मेरा शरीर नहीं चलता, मैं सेवा नहीं कर सकती। लेकिन मन्सा सेवा तो अंत तक कर सकते हैं। अगर मन ठीक है तो दिमाग ठीक काम करता है तो मन्सा सेवा कर सकते हैं।

वर्ल्ड ग्लूकोमा वीक] ट्रॉमा सेंटर आबू रोड की ग्लूकोमा और आई स्पेशलिस्ट डॉ. शालिनी ने बताए आंखों की देखभाल के उपाय

अपनी आंखों की समय रहते देखभाल जरूरी



✓ 35 साल की उम्र की बाद हर छह माह में आंखों की जांच जरूरी, बिना डॉक्टर के परामर्श कोई भी दवा आंखों में नहीं डालें

✓ समय रहते सही इलाज मिलने से बच सकता है आंखों का अंधापन



✓ हर दस में से एक आदमी ग्लूकोमा की समस्या से पीड़ित है। दुनियाभर में करीब 6.50 करोड़ लोगों को ग्लूकोमा है।

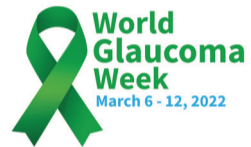
✓ भारत में अंधेपन के 100 में से 12 केस ग्लूकोमा की वजह से हैं।



डॉ. शालिनी

ग्लूकोमा और आई स्पेशलिस्ट
ट्रॉमा सेंटर आबू

» शिव आमंत्रण, आबू रोड (राजस्थान)। आंखों हमारे शरीर की सबसे महत्वपूर्ण और नाजुक अंग होती हैं। ऐसे में इनकी देखभाल करना उतना ही जरूरी है। क्योंकि बिना रोशनी के जीवन अंधकारमय हो जाता है। सामान्यतः लोग आंखों की देखभाल और इलाज को लेकर लापरवाही बरतते हैं जो आगे चलकर गंभीर रोगों का कारण बन जाता है। ऐसे में यदि आप भी 35 साल से ऊपर उम्र पार कर चुके हैं और आंखों से जुड़ी समस्याओं से जूझ रहे हैं तो तुरंत नजदीकी नेत्र रोग विशेषज्ञ से परामर्श लें। विश्वभर में हर साल 7 से 13 मार्च तक वर्ल्ड ग्लूकोमा वीक मनाया जाता है। इस दौरान आई अवेयरनेस प्रोग्राम आयोजित किए जाते हैं। नेत्र संबंधी समस्याओं और उनके समाधान को लेकर शिव आमंत्रण ने खास ट्रॉमा सेंटर आबूरोड की ग्लूकोमा और आई स्पेशलिस्ट डॉ. शालिनी से बातचीत की, आइए उन्हीं से जानते हैं कैसे करें अपने नेत्रों की संभाल-



वर्ल्ड
ग्लूकोमा वीक

(6 से 12 मार्च)
पर विशेष....

ग्लूकोमा क्या है ?

ग्लूकोमा को आम भाषा में काला मोतिया कहते हैं। आंख के अंदर अंगों के पोषण के लिए एक तरल पदार्थ उत्पन्न होता है। पोषण के बाद यह तरल पदार्थ आंख के महीन छिद्र (फिल्टर) से बाहर निकलते हैं। उम्र के साथ छिद्र तंग होने शुरू हो जाते हैं। इससे तरल पदार्थ के निकलने की प्रक्रिया थोड़ी बाधित होती है। इससे आंख का प्रेशर बढ़ने लगता है। आंख का बढ़ा प्रेशर ऑप्टिक नर्व (आंखों से दिमाग को सिग्नल भेजने वाली नर्व) को डैमेज करता है। आमतौर पर ऐसा आंखों पर ज्यादा जोर पड़ने से होता है। दरअसल, ऑप्टिक नर्व काफी सेंसिटिव है, इसलिए जरा भी ज्यादा प्रेशर पड़ने पर यह ब्लॉक हो जाती है। इससे दृष्टि बंद हो जाता है।

दो तरह का होता ग्लूकोमा

1. ओपेन एंगल ग्लूकोमा

यह धीरे-धीरे बढ़ता है और मरीजों को पता ही नहीं चलता। जब आंख के बड़े प्रेशर से ऑप्टिक नर्व खराब हो जाती है तो उसे ओपेन एंगल ग्लूकोमा कहते हैं। यह सबसे ज्यादा कॉमन है। इसमें तरल पदार्थ को ड्रेन करने वाली कनेल ब्लॉक हो जाती है। इससे आंख का प्रेशर बढ़ जाता है। इसके होने से आंख की नजर धीरे-धीरे कमजोर होती है। यदि इसका समय रहते पता चल जाए तो आंख की रोशनी बचाई जा सकती है। वरना इसका कोई इलाज नहीं है।

ओपेन एंगल ग्लूकोमा के लक्षण

- हलका सिर में दर्द
- आंख में भारीपन
- नजदीक का चश्मा बार-बार बदलना
- बल्ब बुझने के कुछ देर बाद भी नहीं दिखना

2. एंगल क्लोजर ग्लूकोमा

यह कम खतरनाक है और इसका इलाज उपलब्ध है। इसमें मरीज को अचानक अटक पड़ता है और नजर कमजोर हो जाती है। इसमें बहुत तेज दर्द होता है और मरीज सीधे डाक्टर के पास पहुंचता है।

ये हैं लक्षण

- भयंकर दर्द होता है। आधे सिर में दर्द होता है।
- उल्टी आने की आशंका रहती है।
- अचानक से नंबर कम हो जाता है।

ये रिस्क फैक्टर हैं तो ग्लूकोमा हो सकता है

- परिवार के किसी सदस्य को हुआ हो।
- यदि शुगर के मरीज हैं तो
- माइनेस नंबर है और बार-बार कम हो रहा है
- 35 वर्ष के उम्र के पार हैं।

- अंधेरे में देर से नजर आना।
- रोशनी में अलग-अलग रंग दिखना
- अस्थिमा व आथराइटिस जैसे रोगों में लंबे समय तक स्टेरायल ले रहे हों।
- कभी आंख का कोई जखम हुआ हो या कोई सर्जरी हुई हो।
- यह बच्चों में भी हो सकता है।

आंखों की चली जाती है रोशनी

ग्लूकोमा के बारे में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इसके चलते नजर का जो नुकसान हो गया, उसका कोई इलाज नहीं है। अगर पता न चले तो यह मर्ज धीरे धीरे बढ़ता रहता है और ज्यादा बढ़ जाने पर अंधेपन की भी नौबत आ सकती है। हां, अगर इसका पता वक्त रहते चल जाए तो आगे और नुकसान से बचने के लिए इलाज और देखभाल की जा सकती है।

35 के बाद आंखों की नियमित जांच कराएं

35 साल की उम्र के बाद ग्लूकोमा होने के संभावना बढ़ जाती है। 35 की उम्र के बाद आंखों की नियमित जांच कराते रहें। हो सकता है इस उम्र के लोगों को लगे कि उनकी नजर मोतियाबिंद की वजह से कमजोर हो रही है, लेकिन नजर की कमजोरी ग्लूकोमा की वजह भी हो सकती है।

खुद भी कर सकते हैं अपनी आंखों की जांच

इस उदाहरण से समझें-अपनी आंख से किसी एक चीज को देखें। मान लीजिए पार्क में एक बच्चा बैठा

है। बच्चे के एक तरफ हाथी का खिलौना है और दूसरी तरफ शेर का खिलौना है। हाथी और शेर के साथ एक-एक कुर्सी है। कुर्सी के साथ पेड़-पौधे। यदि आप की आंख ठीक है तो आपको बच्चा भी दिखेगा, हाथी-शेर भी दिखेंगे और पेड़-पौधे। यदि ग्लूकोमा के आप करीब हैं तो आपको बच्चे के साथ हाथी और शेर दिखेंगे। कुर्सियां नहीं। यदि ज्यादा करीब हैं तो सिर्फ आपको बच्चा दिखेगा। हाथी और शेर नहीं। विशेषज्ञों के मुताबिक ग्लूकोमा में फील्ड ऑफ विजन यानी नजर का दायरा सिकुड़ता है। जब ग्लूकोमा हो जाएगा तो आपको बच्चा भी नहीं दिखेगा।

ग्लूकोमा से बचने के उपाय

1. घर में अगर किसी को ग्लूकोमा है तो बच्चे को होने की ज्यादा संभावना होती है, क्योंकि यह एक आनुवांशिक बीमारी है। ऐसे में बच्चे की आंखों की जांच करवाना जरूरी है।
2. आंखों की एलर्जी, अस्थिमा, चर्म रोग या किसी अन्य रोग के लिए स्टेरॉइड दवाओं का प्रयोग करने से आंखों में दिक्कत आ जाती है। ऐसी दवाइयों के सेवन से बचें।
3. आंखों में दर्द हो या लाल हो जाएं तो स्पेशलिस्ट डॉक्टर से सलाह लेकर ही दवा का प्रयोग करें।
4. खेलने के दौरान (टेनिस या क्रिकेट बॉल से) अगर आंखों में चोट लग जाए तो इसका इलाज कराएं।
5. आंखों में कभी किसी प्रकार की कोई सर्जरी हुई हो या कोई घाव हो गया हो तो उसकी जांच

समय-समय पर करवाते रहें, क्योंकि सर्जरी से ग्लूकोमा होने का खतरा बढ़ जाता है।

6. हर दो साल में आंखों की नियमित जांच करवाते रहिए। चेकअप करवाने से आंखों की रोशनी का पता लगाया जा सकता है।
7. अगर आपके चश्मे का नंबर बदल रहा है तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क कीजिए।
8. जब आप सीधे देख रहे हों तो आंखों के किनारे से न दिखाई दे रहा हो तब आंखों की जांच करवाएं।
9. आंखों में दर्द हो, सिर और पेट में दर्द हो तो इसको नजरअंदाज मत कीजिए, तुरंत चिकित्सक से संपर्क कीजिए।
10. आंखों को पोषण देने वाले तत्वों जैसे बादाम, दूध, संतरे का जूस, खरबूजे, अंडा, सोयाबीन का दूध, मूंगफली आदि का ज्यादा मात्रा में सेवन कीजिए।

ये भी सावधानी बरतें

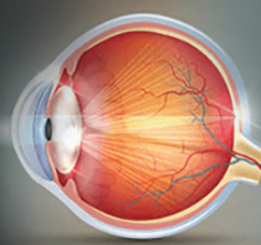
ग्लूकोमा से बचने के लिए आपको कुछ सावधानियां बरतने की जरूरत होती है। जैसे कि आंखों में कोई भी ड्रॉप डालने से पहले अपने हाथों को अच्छी तरह धो लें। दवाई को ठंडी और ड्राई जगह पर रखें। एक बार में एक ही ड्रॉप डालें और दो दवाइयों के बीच में आधा घंटे का गैप जरूर करें। अगर आप अपने आई स्पेशलिस्ट से लगातार मिलते रहते हैं और समय से दवाइयां लेते हैं, तो आप अपने ग्लूकोमा को समय से कंट्रोल करके एक नॉर्मल लाइफ जी सकते हैं।

ग्लूकोमा से जुड़े कुछ तथ्य

- दुनियाभर में 10 में से 1 आदमी ग्लूकोमा से पीड़ित है। दुनियाभर में करीब साढ़े छह करोड़ लोगों को ग्लूकोमा है।
- भारत में एक करोड़ से ज्यादा लोगों को ग्लूकोमा है। इनमें से करीब 10 लाख लोग अंधेपन का शिकार हो चुके हैं।
- भारत में अंधेपन के 100 में से 12 केस ग्लूकोमा की वजह से हैं।

आपके लिए विशेष जानकारी

अक्सर 40 की उम्र में लोगों की पास की नजर कमजोर पड़ने लगती है। आमतौर पर लोग पास की चश्मों की दुकान में जाते हैं और अपनी आंखें टेस्ट करवाते हैं। दुकानदार सिर्फ आंख टेस्ट कर बढ़िया चश्मा दे देता है। उससे लोगों को अच्छा दिखता है और वे चलते बनेते हैं, लेकिन जब भी इस उम्र में चश्मा बनवाएं तो अच्छे डॉक्टर से आंखों का पूरा चेकअप करवाएं।



बाबा की शिक्षाओं को किया याद



» शिव आमंत्रण, निम्वाहेड़ा (राजस्थान)। ब्रह्माकुमारी सेवाकेंद्र पर संस्थापक ब्रह्मा बाबा के पुण्य स्मृति दिवस 18 जनवरी पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान सदर थाना प्रभारी सूरज बैरवा, ब्रिज किशोर भाई, बीके शिवली, बीके अनिता ने श्रद्धासुमन अर्पित कर बाबा की शिक्षाओं को याद किया।

खाद्य मंत्री ने पुष्पांजली अर्पित की



» शिव आमंत्रण, बतौली (छग)। ब्रह्माकुमारी उपसेवाकेंद्र में पिताश्री ब्रह्मा बाबा के 53वें पुण्य स्मृति दिवस पर शांति स्तम्भ और बाबा की कुटिया बनाई गई। कार्यक्रम में पहुंचे छग के खाद्य एवं संस्कृति विभाग राज्यमंत्री अमरजीत भगत ने ब्रह्मा बाबा को श्रद्धांजलि देने के साथ मेडिटेशन की सुखद अनुभूति की। साथ ही राजयोग मेडिटेशन अपनाते पर जोर दिया।

रीता बहुगुणा को दिया संदेश



» शिव आमंत्रण, चुनार/वाराणसी (यूपी)। भाजपा की जन विशाल रैली के चुनार पंडरी बाजार में पहुंचने पर वाराणसी सेवाकेंद्र की बीके तारा ने रैली में आई भाजपा नेता रीता बहुगुणा जोशी को ईश्वरीय संदेश एवं ईश्वरीय सौगात प्रदान की। इस मौके पर कौशांबी सांसद विनोद सोनकर, विद्युत मंत्री रमाशंकर सिंह पटेल व अन्य मौजूद रहे।

व्यसनमुक्ति का लिया संकल्प



» शिव आमंत्रण, पन्ना, मप्र। राष्ट्रीय युवा दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में युवाओं ने व्यसनमुक्त जीवन जीने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सीता, डॉ. देवव्रत सिंह, मनोज मिश्रा, लेक्चरर सुनील श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

अमृत महोत्सव का शुभारंभ



» शिव आमंत्रण, राजगढ़ (मप्र)। आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर अभियान का शुभारंभ ब्यावरा सेवाकेंद्र द्वारा किया गया। विधायक रामचंद्र दांगी, एसडीएम जूही गर्ग, पूर्व विधायक नारायणसिंह पंवार, ब्रह्माकुमारी जिला प्रभारी बीके मधु, वैश्य महिला प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष आरती मंगल, बीके लक्ष्मी मौजूद रहीं।

अपने मन में संकल्प लें कि मुझे शक्ति रूप बनना है: बीके शैलजा



» आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर अभियान के तहत राष्ट्रीय बालिका दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

» शिव आमंत्रण, छतरपुर (मप्र)। जीवन में यदि सही दिशा मिले तो नारी हर क्षेत्र में नंबर वन स्थान ले सकती है। हम अपने मन में संकल्प लें कि मुझे शक्ति रूप बनना है। आई केन डू इट यह एक संकल्प ही हमें हर कार्य को संभव बनाने में मदद करेगा। कन्या ही वह रत्न है जो इस जग का उद्धार करेगी। उक्त उद्गार ब्रह्माकुमारीज के छतरपुर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके शैलजा ने व्यक्त किए। मौका था राष्ट्रीय बालिका दिवस पर पावन धाम में आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर आयोजित कार्यक्रम का। महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी प्राची सिंह ने कहा कि मां का कर्तव्य निभाना सबसे महान है। केवल बच्चे पैदा करने से मां नहीं बन जाती। उसके लिए

हमें त्याग और बलिदान की मूर्त बनना पड़ता है। भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष उर्मिला साहू, अभिनेत्री रूपाली भारद्वाज, गार्गी आनंद (बीएसएनएल टीडीएम), महिला मोर्चा उपाध्यक्ष प्रियंका द्विवेदी, रेखा

सिंह, बीके कमला, बीके भारती, बीके रजनी, बीके मधुकर, बीके मोहिनी, बीके नम्रता, बीके पूनम भी उपस्थिति रहीं। संचालन बीके रीना ने किया। बीके रीमा, बीके सुमन ने म्यूजिक दिया।

राजयोग देता है मन को गहन शांति: एसपी सचिन शर्मा

» शिव आमंत्रण, छतरपुर (मप्र)। मैं जब भी ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय आता हूँ तो मन को गहन शांति की अनुभूति होती है। मन में एक नई ऊर्जा का संचार होता है। उक्त उद्गार ऑडिटोरियम में ब्रह्माकुमारीज द्वारा आयोजित खुशियों के बिग बाजार कार्यक्रम में छतरपुर एसपी सचिन शर्मा ने व्यक्त किए। माउंट आबू से पहुंचे मोटिवेशनल स्पीकर बीके शक्तिराज ने कहा कि मेडिटेशन एक ऐसी विधि है जिससे सभी प्रकार के ब्लॉकज दूर किए जा सकते हैं। उन्होंने डीप मेडिटेशन द्वारा गहन शांति की अनुभूति कराई। कार्यक्रम में महाराजा छत्रसाल बुदेलखंड विश्व विद्यालय के स्पोर्ट्स ऑफिसर डॉ. अरविंद महलोनिया, शा. उत्कृष्ट विद्यालय क्र.1 स्पोर्ट्स ऑफिसर बृजेंद्र द्विवेदी, सचिव जिला बेसवाल संघ मानसिंह, हाईस्कूल प्राचार्य पुष्पेंद्र सिंह बघेल, आरडीएस उमा विद्यालय बमीठा संचालिका मती बघेल, स्पोर्ट्स ऑफिसर शाउ मॉडल वि. जितेन्द्र सिंह, जेलर राम रोमणी पांडेय, रोटरी क्लब अध्यक्ष मुकेश चौबे, पैथोलॉजी एसोसिएशन अध्यक्ष अशोक अवस्थी, सत्य शोधन आश्रम संचालक देवेन्द्र भंडारी सम्मिलित हुए। संचालन सेवाकेंद्र प्रभारी बीके शैलजा ने किया।

आगरा: नव शक्ति समारोह आयोजित



» शिव आमंत्रण, आगरा (उप्र)। ब्रह्माकुमारीज संस्थान के प्रभु मिलन सेवाकेंद्र पर कला एवं संस्कृति प्रभाग द्वारा नवशक्ति समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके अश्विना, साहित्य गौरव सुरसिंह सिन्हा, अपर आयुक्त आगरा मंडल साहब सिंह आईएस, केंद्रीय हिंदी संस्थान के कुलसचिव चंद्रकांत त्रिपाठी, पत्रकार ब्रिज खंडेलवाल, संगीतज्ञ डॉ. रंजना सक्सेना मुख्य रूप से मौजूद रहीं।

नशामुक्ति के लिए वरदान है संस्था



» शिव आमंत्रण, रीवा (मप्र)। ब्रह्माकुमारीज के शांतिधाम झिरिया सेवाकेंद्र पर युवा वर्ग के लिए स्नेह मिलन कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें युवा समाजसेवी अविराज चौधवानी, एडिशनल एसपी शिव कुमार वर्मा ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज नशामुक्ति के लिए एक वरदान है। स्वच्छ भारत मिशन के नोडल अधिकारी एसके चतुर्वेदी, संचालिका बीके निर्मला दीदी, डॉ. बीके अर्चना, प्राचार्य बीके दीपक, बीके प्रकाश मौजूद रहे।

» अमृत महोत्सव

आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर अभियान के तहत शास. हायर सेकेंडरी स्कूल में आयोजन

छात्राओं ने रंगोली से दिखाई प्रतिभा

» शिव आमंत्रण, बीना। ब्रह्माकुमारीज संस्थान के युवा प्रभाग द्वारा शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल, खिमलासा में बसंत पंचमी पर रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई। आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर अभियान के तहत आयोजित प्रतियोगिता में 50 छात्राओं ने भाग लिया। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके जानकी दीदी ने बताया कि रंगोली प्रतियोगिता में छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण, भारत की स्वर्णिम संस्कृति से खुशहाली और उन्नति का संदेश दिया। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, पशु-पक्षियों के प्रति प्रेम जताते हुए उनकी आकृति को रूप दिया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान संयुक्त रूप से मीना कुशवाहा, हंसिका नामदेव, द्वितीय स्थान दिशा सोनी, कुमकुम, अनुष्का पटवा, आरजू खान, स्नेहा लोधी, कंचन लोधी, साहनी लोधी और तृतीय स्थान संजना, स्नेहा, सारिका पटवा, प्रतीक्षा पटवा और श्वेता ने संयुक्त रूप से प्राप्त किया। प्राचार्य संजय जैन, राजयोग शिक्षिका बीके गुड्डी भी मौजूद रहीं।

सम्मान समारोह: बीना सेवाकेंद्र पर जैविक खेती कर रहे नशामुक्त किसानों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें कृषि उद्यानिकी अधिकारी प्रवीण साहू, सिंधी पंचायत के अध्यक्ष मंसाराम सुंदरानी, बीके सरस्वती, मुन्नालाल साहू सहित अन्य भाई-बहन मौजूद रहे।



» शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित रंगोली प्रतियोगिता में की 50 छात्राओं ने भाग लिया। स्वर्णिम भारत की दिखाई झलक।

